तापमान

अधिकतम-34^{0}C

न्यूनतम-27^{0}C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

मिशन निरामया के तहत सैकड़ों लोगों को मिला रोजगार - ब्रजेश पाठक 3

आवारा पशुओं को पकडकर अस्थायी गोआश्रय स्थलों में स्थानान्तरित करने का आदेश 4

वर्ष : 09 अंक :161 प्रयागराज, बुधवार 13 सितम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को संविधान पीठ के पास भेजा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया कि औपनिवेशिक काल के राजद्रोह के दंडात्मक प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष रखा जाए ताकि कम से कम पांच न्यायाधीशों की एक संविधान पीठ को अधिसूचित किया जा सके, जिसके पास पर्याप्त ताकत हो।सुनवाई के दौरान सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने विचार किया कि प्रस्तावित पांच न्यायाधीशों की पीठ इस पर विचार कर सकती है कि क्या केदार नाथ मामले में आईपीसी की धारा 124 ए (देशद्रोह) की संवैधानिकता को बरकरार रखने वाले पहले के फैसले पर सात सदस्यीय न्यायाधीशों बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार की आवश्यकता है। 1962 में संविधान पीठ ने केदार नाथ सिंह मामले में धारा 124ए की वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि राज्य को उन ताकतों से सुरक्षा की जरूरत है, जो इसकी सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालना चाहते हैं। दंड प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ से अनुरोध किया कि मामले को पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष भेजे बिना याचिकाओं के समूह को सीधे सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजा जाए। अदालत संसद के कानून का इंतजार नहीं कर सकती। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत से कार्यवाही स्थगित करने का आग्रह किया, क्योंकि भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी) संशोधन विधेयक गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के समक्ष विचार के लिए लंबित है।भारतीय न्याय संहिता विधेयक 11 अगस्त को संसद के समक्ष पेश किया गया था, इसमें ब्रिटिश युग की दंड संहिता में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव रखा गया था।विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, जो सीआरपीसी को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है, के साथ गृह मामलों पर संसदीय स्थायी समिति के विचार के लिए भेजा गया था। नए कोड में, देशद्रोह शब्द गायब है, लेकिन धारा 150 के तहत इसी तरह के अपराध को इसकी जगह मिल गई है। पिछले साल 11 मई को, एक अग्रणी आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों को भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए के संबंध में सभी चल रही जांच को निलंबित करते हुए, कोई भी एफआईआर दर्ज करने या कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने अपनी प्रथमदृष्ट्या टिप्पणी में कहा था कि आईपीसी की धारा 124ए की कठोरता वर्तमान सामाजिक परिवेश के अनुरूप नहीं है, और इसका उद्देश्य उस समय के लिए था जब यह देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था। मई में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमन ने शीर्ष अदालत से मामले की सुनवाई संसद के मानसून सत्र के बाद निर्धारित करने का आग्रह किया था। अगले महीने, विधि आयोग ने सरकार को अपनी रिपोर्ट में, राजद्रोह से निपटने वाले दंडात्मक प्रावधान को बनाए रखने की वकालत करते हुए कहा था कि औपनिवेशिक विरासत इसे निरस्त करने के लिए वैध आधार नहीं है। पैनल ने आईपीसी की धारा 24ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए मॉडल दिशानिर्देशों की सिफारिश की और कहा कि प्रावधान के उपयोग के संबंध में अधिक स्पष्टता लाने के लिए संशोधन पेश किए जा सकते हैं।

2020 दिल्ली दंगे: सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए की स्थगित

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसे 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने यह कहते हुए आदेश दिया कि अदालत को खालिद के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद रिकॉर्ड पर रखे गए सबूतों को देखना होगा। खालिद ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत देने से इनकार के खिलाफसुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने पिछले साल 18 अक्टूबर को नियमित जमानत की मांग करने वाली खालिद की अपील खारिज कर दी थी। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उन्हें यूएपीए मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अमरावती में दिए गए उनके कथित आक्रामक भाषण दंगों के मामले में उनके खिलाफ आरोपों का आधार है।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हलफनामे में दावा : सेबी ने अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में कई संशोधन किए

नई दिल्ली ।अडानी-हिंडनबर्ग मामले में याचिकाकर्ताओं में से एक ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) सिर्फ अडानी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों में कई संशोधन किए। बाजार नियामक के पास अडानी समूह द्वारा किए गए कानून के उल्लंघन की जांच करने में हितों का टकराव है। अनामिका जयसवाल द्वारा दिए गए हलफनामे में आरोप लगाया गया है कि सेबी ने न केवल सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाया है और डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) के अलर्ट पर सोई रही, बल्कि सेबी द्वारा अडानी की जांच कराने में हितों का स्पष्ट टकराव भी है। हलफनामे में कहा गया है, श्री सिरिल श्रॉफ मैनेजिंग पार्टनर, सिरिल अमरचंद मंगलदास कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर सेबी की समिति के सदस्य रहे हैं, जो इनसाइडर ट्रेडिंग जैसे अपराधों को देखती है... सिरिल श्रॉफ की बेटी की शादी गौतम अडानी के बेटे करण अडानी से हुई है। दिलचस्प बात है कि अडानी समूह की कंपनियों पर सेबी की 24 जांच रिपोर्टों में से 5 अंदरूनी व्यापार के आरोपों पर हैं। हलफनामे में आगे दावा किया गया कि नियमों और परिभाषाओं में लाए गए लगातार संशोधनों ने अडानी समूह को एक ढाल और एक बहाना प्रदान किया है, जिसके कारण उनके नियामक उल्लंघन और मूल्य हेरफेर का पता नहीं चल पाया।

लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा एयरफील्ड बनाएगा भारत

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जम्मू कश्मीर के दौरे पर हैं। यहां वे 2491 करोड़ की 90 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। राजनाथ सिंह सांबा में 422.9 मीटर लंबे देवक ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यहीं से वे 89 प्रोजेक्ट्स का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास करेंगे। इनमें 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनने वाला न्योमा एयरफील्ड भी शामिल है। 218 करोड़ की लागत से बन रहे इस एयरफील्ड से फाइटर जेट उड़ान भर सकेंगे और उतर सकेंगे। खास बात ये है कि ये एयरफील्ड एलएसी से सिर्फ 50 किलोमीटर दूरी पर है।एलएसी पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक न्योमा बेल्ट में इस एयर फील्ड का निर्माण करेगी। यह दुनिया का सबसे ऊंचा एयरफील्ड होगा। इसके लिए 218 करोड़ रुपये अनुमानित लागत रखी गई है। यह रणनीतिक तौर पर काफी अहम माना जा रहा है। क्योंकि इसके बनने से ग्रष्ट के करीब तक फाइटर ऑपरेशन हो सकेंगे। इसके साथ ही यह लद्दाख में तीसरा फाइटर एयरबेस होगा। इससे पहले लेह और थोईस में एयरबेस हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सांबा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस एयर फील्ड की आधारशिला रखेंगे। अभी न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड का इस्तेमाल 2020 से चीन के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान जवानों और अन्य सामान को पहुंचाने के लिए किया जाता रहा है। यहां से चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टर और सी-130जे विमान भी उड़ान भरते और उतरते रहे हैं। अब यहां ऐसे एयरफील्ड का निर्माण किया जा रहा है, जहां लड़ाकू विमान भी उतर सकेंगे। इस एयरफील्ड के बनने के बाद लद्दाख में हवाई बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा और हमारी उत्तरी सीमाओं पर वायुसेना की क्षमता में वृद्धि होगी।लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर निगरानी और सुरक्षा के लिए न्योमा एयरफील्ड काफी अहम माना जा रहा है। इस नए एयरबेस से लद्दाख में निगरानी बढ़ाने के लिए लड़ाकू विमान, नए रडार और उन्नत ड्रोन संचालित हो सकेंगे। इस एयरबेस को तैयार करना, लगातार आक्रामक होते रहे चीन के खिलाफ आक्रामक क्षमताओं को बढ़ाने की योजना का हिस्सा है। हालांकि साल 2020 के बाद उस जैसी कोई झड़प नहीं हुई है, लेकिन तनाव बढ़ने के तीन साल बाद से दोनों पक्षों की ओर से बड़ी संख्या में तैनाती का गई है।

खबरें एक नजर में

गुरुग्राम में शख्स ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर की आत्महत्या

गुरुग्राम। गुरुग्राम सेक्टर-38 के एक गेस्ट हाउस में 28 वर्षीय एक व्यक्ति ने सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर लाइव आकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान हिसार के बरवाला के मूल निवासी विक्रम के रूप में हुई है, जो परिवार के साथ गुरुग्राम के राजेंद्र पार्क थाना क्षेत्र में रहता था। बताया जा रहा है कि वह रविवार शाम को अपना जन्मदिन मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के मंडी की रहने वाली एक महिला मित्र के साथ सेक्टर 38 स्थित गेस्ट हाउस में गया था।वे रात भर गेस्ट हाउस में रुके। सोमवार को करीब 2:30 बजे महिला वहां से चेकआउट कर गई।। लेकिन, विक्रम गेस्ट हाउस में ही रुका रहा। पुलिस ने बताया कि सोमवार को विक्रम ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर आत्महत्या कर ली। जब महिला ने पोस्ट देखी तो उसने तुरंत गेस्ट हाउस के कर्मचारियों को सूचित किया, जिन्होंने पुलिस को बुलाया।पुलिस के मुताबिक, महिला सेक्टर 39 में किराए के मकान में रहती है और गुरुग्राम में एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करती है। दोनों कुछ महीने पहले दोस्त बने थे। मृतक के परिजनों ने अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं करायी है। पुलिस ने कहा कि विक्रम की शादी छह साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं जबकि महिला अविवाहित है। गुरुग्राम के सदर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, हम विभिन्न कोणों से मामले की जांच कर रहे हैं। हम आत्महत्या के पीछे का कारण जानने के लिए महिला से पूछताछ करेंगे।

निपाह वायरस ने फिर पसारे पैर, केरल में 2 की मौत, जानें क्या हैं लक्षण

नई दिल्ली । केरल में एक बार निपाह वायरस का मामला निकलकर सामने आया जिससे लोगों फिर से निपाह का खौफ फैल गया है। राज्य में दो लोगों की अप्राकृतिक मौत के बाद केरल के स्वास्थ्य विभाग ने निपाह वायरस से संबंधित अलर्ट जारी कर दिया है। ऐसा संदेह जताया जा रहा है कि कोझिकोड जिले में दो अप्राकृतिक मौतों के पीछे निपाह वायरस का ही हाथ हो सकता है। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने बीती रात एक बयान जारी करते हुए बताया कि एक निजी अस्पताल से बुखार के बाद दो लोगों की अप्राकृतिक मौत हुई है। ऐसा संदेह है कि इनकी मौत निपाह वायरस के कारण हुई है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इस घटना की सूचना मिलते ही एक उच्चस्तरीय बैठक की और स्थिति की समीक्षा की।दक्षिण भारत में निपाह वायरस का पहला मामला 19 मई 2018 को कोझिकोड जिले में ही सामने आया था। साल 2021 में भी इस वायरस के कारण केरल में कई मौतें दर्ज की गई थी। विश्व स्वास्थ संगठन के मुताबिक निपाह वायरस इंसानों में एसिम्प्टोमैटिक इंफेक्शन से लेकर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन और घातक इन्सेफलाइटिस का खतरा पैदा करता है। यह बीमारी जानवरों से इंसानों के बीच फैलती है। निपाह वायरस चमगादड़ और सूअर से इंसानों में फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आकर दूसरे लोगों को यह बीमारी हो सकती है। निपाह वायरस एसिम्प्टोमैटिक इंफेक्शन से लेकर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन और घातक इन्सेफलाइटिस तक हो सकता है। शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी और गले में खराश शामिल हैं। इसके बाद चक्कर आना, सांस लेने में तकलीफ होना, मूड स्विंग, बेहोशी और तंत्रिका संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

मणिपुर में आतंकवादियों ने 3 आदिवासियों की गोली मारकर हत्या की

इंफाल। मणिपुर के कांगपोपकी जिले में मंगलवार को आतंकवादियों ने तीन आदिवासी लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।मणिपुर की राजधानी इंफाल में अधिकारियों ने कहा कि सशस्त्र चरमपंथियों ने इम्फाल पश्चिम और कांगपोपकी जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में इरेंग और करम के बीच गांवों पर हमला किया और तीन ग्रामीणों को मौके पर ही गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

गृह मंत्रालय ने सीबीआई को लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की दी अनुमति

नई दिल्ली । लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई को गृह मंत्रालय ने लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। सीबीआई ने यह जानकारी राउज एवेन्यू कोर्ट को दी। सीबीआई ने इस मामले में 3 जुलाई को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। इस चार्जशीट में पहली बार तेजस्वी यादव का नाम आया था। सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी समेत इस मामले में 16 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें रेलवे के आरोपी अधिकारियों और नौकरी लेने वालों के नाम भी शामिल हैं।लैंड फॉर जॉब स्कैम का यह केस 14 साल पुराना है। उस वक्त लालू यादव रेल मंत्री थे। दावा है कि लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में लोगों को नौकरी देने के बदले उनकी जमीन लिखवा ली थी। बताते चलें कि लालू यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे थे। सीबीआई ने इस मामले में 18 मई को केस दर्ज किया था। सीबीआई के मुताबिक, लोगों को पहले रेलवे में ग्रुप डी के पदों पर सब्स्टीट्यूट के तौर पर भर्ती किया गया और जब उनके परिवार ने जमीन का सौदा किया, तब उन्हें रेगुलर कर दिया गया। सीबीआई का कहना है कि पटना में लालू यादव के परिवार ने 1.05 लाख वर्ग फीट जमीन पर कथित तौर पर कब्जा कर रखा है। इन जमीनों का सौदा नकद में हुआ था। यानी, लालू परिवार ने नकद देकर इन जमीनों को खरीदा था। सीबीआई के मुताबिक, ये जमीनें बेहद कम दामों में बेच दी गई थीं।रेलवे में नौकरी के बदले रिश्वत में जमीन लेने के आरोपों के मामले में सीबीआई जांच कर रही है। वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी जांच कर रही है। सीबीआई ने इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर दी। इस मामले में लालू यादव के करीबी व पूर्व विधायक भोला यादव और हृदयानंद चौधरी भी अभियुक्त हैं। आरजेडी नेता लालू यादव के ओएसडी रहे भोला यादव को सीबीआई ने 27 जुलाई को गिरफ्तार किया था। भोला 2004 से 2009 के बीच तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के ओएसडी थे।

नितिन गडकरी ने किया स्पष्ट, डीजल इंजन वाहनों पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाने की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली । केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि केंद्र ने डीजल इंजन वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव नहीं किया है, जैसा कि मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है। इससे पहले रिपोर्ट्स में कहा गया था कि नितिन गडकरी मंगलवार शाम केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्रदूषण कम करने के प्रयास में अतिरिक्त टैक्स का प्रस्ताव देंगे।नितिन गडकरी ने टैक्स का प्रस्ताव देने वाली उनके हवाले से रिपोर्ट सामने आने के तुरंत बाद अपने एक्स अकाउंट के माध्यम से कहा, डीजल वाहनों की बिक्री पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त जीएसटी का सुझाव देने वाली मीडिया रिपोर्टों को स्पष्ट करने की तत्काल जरूरत है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि सरकार द्वारा वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव सक्रिय विचाराधीन नहीं है।2070 तक कार्बन नेट ज़ीरो हासिल करने और डीजल जैसे खतरनाक ईंधन के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ-साथ ऑटोमोबाइल बिक्री में तेजी से वृद्धि के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं के अनुरूप, सक्रिय रूप से स्वच्छ और हरित वैकल्पिक ईंधन को अपनाना जरूरी है। ये ईंधन आयात के विकल्प, लागत प्रभावी, स्वदेशी और प्रदूषण मुक्त होने चाहिए।रिपोर्ट के अनुसार दिन की शुरुआत में 63वें वार्षिक सियाम सम्मेलन को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने डीजल को %खतरनाक' ईंधन करार दिया था। उन्होंने कहा था कि मांग को पूरा करने के लिए देश को ईंधन का आयात करना पड़ता है। नितिन गडकरी ने कार निर्माताओं से इथेनॉल और हरित हाइड्रोजन जैसे पर्यावरण-अनुकूल ईंधन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने विनिर्माण को फिर से शुरू करने का आग्रह किया।

ग्रेनो अथॉरिटी में हजारों की संख्या में ताला लगाने पहुंचे किसान, पुलिस से हुई झड़प

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की नीतियों से परेशान और मांगों को लेकर कई महीनों से धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों ने मंगलवार को आंदोलन तेज करने का ऐलान किया। हजारों की संख्या में किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर ताला लगाने की घोषणा की है। इसके लिए किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो रही है।डेरा डालो, घेरा डालो' के नारे के साथ किसान आंदोलन को और तेज करेंगे। किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए बड़ी संख्या में पहले से ही ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के बाहर पुलिस बल को तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक किसान अपनी मांगों को लेकर 25 अप्रैल से दिन-रात ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि प्राधिकरण की धोखाधड़ी, वादाखिलाफी के विरोध में 12 सितंबर को हजारों की संख्या में किसान धरना प्रदर्शन करके ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को बंद करेंगे।

सनातन का अपमान नही सहेगा हिंदूस्तान : भाजपा

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म पर हमला विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का गुप्त एजेंडा है और सनातन का अपमान नही सहेगा हिंदूस्तान वही इंडिया गठबंधन सनातन धर्म विरोधी के लिए बना है ।रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इस प्राचीन धर्म के बारे में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) नेताओं की लगातार आलोचनात्मक टिप्पणियों के बीच विपक्षी नेताओं की चुप्पी' पर सवाल उठाए। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा और कहा कि सोनिया गांधी इस मामले पर अगर चुप्पी साधे रहेंगी तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सनातन धर्म का विरोध करना इंडिया' के न्यूनतम साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि डीएमके नेता की एक टिप्पणी सामने आई है। वह बड़ी कमाल की आई है। अग्रेंजी में एक कहावत है कि द कैट इज आउट ऑफ दी बैग' यानी जो सोचा, वो बाहर आ गया। उनकी सोच सबके सामने बाहर आ गई है। साफ है कि ढ्ढ.ह्.ष्ठ.ढ्ढ. गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म का विरोध करने और उसे खत्म करने के लिए बना है। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि पोनमुडी ने यह टिप्पणी उसी सनातन धर्म विरोधी कार्यक्रम में की थी, जिसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उधयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। बाद में अभिनेता राजा ने इसे एड्स से भी अधिक संक्रामक बताया।रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राजा ने कहा था कि सनातन धर्म एड्स से भी खतरनाक है। भाजपा सांसद ने कहा कि वहां के शिक्षा मंत्री ने जो भी कहा वह सच्चाई है। इसका छिपा हुआ एजेंडा है। यह सनातन धर्म का विरोध करके वोट बैंक की राजनीति करना चाहते हैं। इसके लिए यह सभी बहुत समय से लगे हुए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस और इस गठबंधन से हम कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। क्या वहां के मुख्यमंत्री ने अपने बेटे के खिलाफ कोई टिप्पणी की? उन्होंने कहा कि यह लोग हर धर्म की बात करके लीपापोती करते हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उन्हें अन्य किसी धर्म के देवताओं की आलोचना करने का अधिकार है? क्या उनमें साहस है? क्या वे ऐसा कर सकते हैं? हम सभी आस्थाओं का सम्मान करते हैं और यह वोट के नाम पर चुप हो जाते हैं। यह लोग अन्य धर्मों पर चुप रहते हैं, लेकिन खुले तौर पर सनातन का विरोध करते हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा इंडिया गठबंधन से एक स्पष्ट प्रस्ताव लाने का आग्रह करेगी कि वह डीएमके की आलोचना से खुद को पूरी तरह अलग करता है और यह उनका एजेंडा नहीं है।डीएमके द्वारा अपनी आलोचना को सही ठहराने के लिए सनातन धर्म को हिंदुओं के बीच जातिगत भेदभाव की प्रथा से जोडने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि शबीर, केवट और संत रविदास जैसे पिछड़ी जातियों के श्रद्धेय लोगों को समर्पित मंदिर बनाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म का मानना है कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति और समुदाय की पृष्ठभूमि के बावजूद अपनी भक्ति से भगवान को प्राप्त कर सकता है। कांग्रेस ने इस विवाद को लेकर स्पष्ट तौर पर कहा कि वह हर धर्म का सम्मान करने में विश्वास करती है। कांग्रेस पर पलटवार करते हुएरविशंकर प्रसाद ने कहा कि डीएमके से लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों के कुछ विपक्षी नेता सनातन धर्म और हिंदू धर्म से जुड़े पवित्र ग्रंथों की आलोचना करने में मुखर रहे हैं, लेकिन क्या वे अन्य धर्मों और उनके पवित्र व्यक्तित्वों की आलोचना करने का साहस जुटा सकते हैं। रविशंकर प्रसाद कहा कि भारत की संस्कृति और विरासत का हर रोज अपमान किया जा रहा है और भाजपा इस मुद्दे को लेकर देश भर के गांवों में जाएगी और साथ ही विकास तथा विरासत की बात भी करेगी। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सनातन धर्म का यह शर्मनाक अपमान क्यों किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने हाल ही में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक के दौरान कोणार्क चक्र और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दी गई प्रमुखता के बारे में भी बात की।

संयुक्त राष्ट्र में दावेदारी

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में कूटनीतिक कुशलता से विश्व स्तर पर जो प्रतिष्ठा हासिल की है, उससे संक्रमणकाल से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत की नेतृत्व क्षमता पर मोहर लगी है। इसी आलोक में स्थापना काल से चंद बड़े राष्ट्रों के वर्चस्व वाले संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सवाल भी खड़े किये हैं। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को अपरिहार्य बताते हुए उन्होंने चेताया भी है कि जो संगठन वक्त की जरूरतों के हिसाब से नहीं बदलता, वह अपनी प्रासंगिकता खो देता है। दूसरे शब्दों में, वे संयुक्त राष्ट्र संघ में सुरक्षा परिषद व अन्य संगठनों के स्वरूप में बदलाव की वकालत कर रहे थे। तभी उन्होंने कहा कि बेहतर भविष्य के लिये वैश्विक व्यवस्थाओं का वास्तविकता के अनुरूप होना जरूरी है। यह एक कड़वा सच है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के वक्त की परिस्थितियां मौजूदा हालात से बिलकुल भिन्न थीं। तब यूएन में मात्र 51 संस्थापक सदस्य थे। जबकि आज इनकी संख्या दो सौ के करीब पहुंच चुकी है। दुनिया के समान नई चुनौतियां हैं। पिछले दशकों में तेजी से बदलाव आया है लेकिन सुरक्षा परिषद में उन्हीं पांच सदस्यों का वर्चस्व है, जो संयुक्त राष्ट्र के फैसलों को लागू होने से रोकने के लिये अपनी सुविधा के हिसाब से वीटो का प्रयोग करते हैं। जिसके चलते पिछले कुछ दशकों में कई क्षेत्रीय मंच अपनी जरूरतों के हिसाब से बने हैं और वे कामयाबी की इबारत भी लिख रहे हैं। यह बताता है कि यूएन जैसी वैश्विक संस्था को अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये संगठन में सुधार जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा दर्शाये गये कूटनीतिक कौशल से हमारी संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी मजबूत हुई है। दूसरी ओर नई दिल्ली घोषणा पत्र को अमलीजामा पहनाने की प्रतिबद्धता बताती है कि भारत वैश्विक मुद्दों के समाधान के प्रति गंभीर है। दरअसल, दिल्ली घोषणा पत्र को विपरीत ध्रुवों से मिले समर्थन की भी प्रमुख वजह यह है कि भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकमद्' की अवधारणा के तहत ही नीतियों को सम्मेलन के पटल पर रखा। जिसको सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला। उससे जहां अमेरिका, चीन, रूस सहमत दिखे, वहीं विकासशील देशों का भी समर्थन मिला। इसी तरह वैश्विक विश्वास में कमी को विश्वास और निर्भरता में बदलने के आह्वान को भी प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों ने गंभीरता से लिया। जिससे दुनिया में यह संदेश गया कि दिल्ली में जिन विषयों पर सहमति बनी है, उन्हें हकीकत में बदलने के लिये भारत प्रयासरत है। निस्संदेह, कोरोना संकट व रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बीच भारत द्वारा जी-20 सम्मेलन के सफल आयोजन से देश की छवि उज्ज्वल हुई है। संदेश गया कि भारत अंतर्राष्ट्रीय मसलों में निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है। दूसरा, भारत ने सम्मेलन के जरिये उन मुद्दों को उठाया है, जो तमाम विकासशील देशों को परेशान किये हुए हैं। मसलन विकासशील देशों के बढ़ते कर्ज, जलवायु परिवर्तन की चुनौती, खाद्य सुरक्षा पर संकट, महंगाई जैसे मुद्दे इसमें शामिल हैं। कह सकते हैं कि भारत ने ग्लोबल साउथ की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया है। संदेश दिया कि अब गरीब व विकासशील देशों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनकी समस्याओं का समाधान ताकतवर देशों के वर्चस्व वाली संस्थाओं से संभव नहीं है। भारत के लिये यह अच्छा संदेश गया कि उसने कोरोना संकट के दौरान तमाम गरीब व विकासशील देशों की मदद की, जबकि बड़ी शक्तियां आत्मकेंद्रित थीं। जी-20 में आर्थिक रूप से पिछड़े अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकी संघ को शामिल करना भारत की बड़ी उपलब्धि है। जो भारत की राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी को मजबूती देंगे। ऐसे में विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला भारत विकसित व विकासशील देशों के बीच एक सेतु का काम कर सकता है, भले ही भू राजनीतिक परिस्थितियां यूक्रेन युद्ध के कारण बेहद जटिल हों।

मीडिया से बचते मोदी

एक ओर तो रविवार को सम्पन्न हुए जी-20 सम्मेलन में उभरे अनेक अंतरराष्ट्रीय मसलों के बारे में खबरें आ रही हैं, तो वहीं ये पहलू भी सामने आया है कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं दी थी। शिखर सम्मेलन के पहले तथा मोदी-बाइडेन मुलाकात के बाद प्रेस अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करना चाहता था, लेकिन उन्हें ऐसा करने नहीं दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वियतनाम पहुंचकर यह जानकारी दी जिसे लेकर कांग्रेस के महासचिव जयराम नरेश ने तंज कसते हुए आरोप लगाया है कि पीएम मोदी बाइडेन से कह रहे हैं कि न प्रेस कांफ्रेंस करूंगा, न करने दूंगा। (प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेंगे और न ही आपको करने देंगे)। अमेरिकी राष्ट्राध्यक्ष ने जो कुछ वियतनाम में कहा उसके मुताबिक उन्होंने (बाइडेन ने) मोदी से मानवाधिकारों के सम्मान और एक मजबूत समृद्ध देश के निर्माण में नागरिक संस्थाओं और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को उठाया था। यह अपने आप में बड़ा विरोधाभास है कि एक ओर तो बाइडेन स्वतंत्र प्रेस की भूमिका याद दिला रहे हैं और स्वयं मोदी उतनी ही तेजी से उनकी सीख को दरकिनार करते हुए मीडिया से न स्वयं बात करते हैं और न ही अपने मेहमान को बात करने दे रहे हैं। पहली बात तो यह है कि एक राष्ट्रपति को दूसरे सम्प्रभु मुल्क के राष्ट्राध्यक्ष से यह कहने की आखिर जरूरत ही क्यों पड़ी कि वे मानवाधिकारों का सम्मान करें और नागरिक संस्थाओं व स्वतंत्र मीडिया की भूमिका को समझें। क्या अपने देश को हर घड़ी श्लोकतंत्र की जननीश् बतलाने वाले राष्ट्रप्रमुख से इस बात की उम्मीद नहीं की जानी चाहिये कि वे इन तथ्यों को पहले से जानें? फिर, एक अन्य राष्ट्राध्यक्ष को क्या यह सीख दी जाने की आवश्यकता इसलिये पड़ गई क्योंकि उसे इस बात का इल्म है कि मेजबान देश में ऐसा नहीं हो रहा है? यानी घर आया मेहमान जानता है कि आप मानवाधिकार का सम्मान नहीं करते, यह देश नागरिक संस्थाओं की भूमिका से अनभिज्ञ है और यहां मीडिया आजाद नहीं है। सम्भव है कि भारत का विदेश मंत्रालय इस बात का कोई जवाबी बयान जारी करे या फिर यह भी हो सकता है कि वियतनाम दौरे के समापन अवसर बाइडेन जब मीडिया को विस्तार से सम्बोधित करें तो इस बाबत और भी खुलासा करें। अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी वाशिंगटन से ऐसा कर सकता है। जो भी हो, बाइडेन का यह बयान भारत के लिये शर्मिंदगी लेकर आया है। वह इसलिये कि यहां होते मानवाधिकारों के हनन, नागरिक संस्थाओं व मीडिया की आजादी को लेकर गम्भीर स्थिति बन गई है। अधिक कष्टप्रद तो यह है कि जो कुछ भी बाइडेन ने कहा, उसका प्रमाण मोदी स्वयं और तत्काल दे रहे हैं। कदाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कुछ कहा उसका आधार उन तक पहुंचती भारत की इस आशय की खबरें हो सकती हैं। इसके अलावा जून में मोदी जब अमेरिका गये थे तब भी उनसे बार-बार निवेदन किया गया था कि बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद वे साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करें। मीडिया ही नहीं, सभी तरह के मंचों पर सवालों से भागने वाले मोदी इससे मुकरते रहे।एक बड़े दबाव के अंतर्गत मोदी इसके लिये राजी तो हो गये परन्तु केवल दो सवाल लेने के लिये तैयार हुए थे। उनसे भारत में होते अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और देश में धार्मिक आजादी पर होने वाले हमलों से सम्बन्धित प्रश्न किये गये थे। यह भी पूछा गया था कि वे इससे निपटने के लिये क्या उपाय कर रहे हैं। सवालों का तार्किक व सिलसिलेवार उत्तर देने की बजाय प्रधानमंत्री ने उसी गोलमाल ढंग से बात की जिसके लिये वे जाने जाते हैं। इसके साथ ही उनकी भारतीय जनता पार्टी तथा मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों की ट्रोल आर्मी ने सवाल करने वाली मुस्लिम मीडियाकर्मी पर आलोचना की इस कदर बौछारें की कि बाइडेन प्रशासन तक को उसके बचाव में उतरना पड़ा था।मोदी की पिछली यात्रा जब हुई थी, उसके पहले मणिपुर में साम्प्रदायिक हिंसा के मामले सामने आने लगे थे, धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में भारत की रैंकिंग काफी नीचे जा चुकी थी जिसके सम्बन्ध में कई रिपोर्टें मिल रही थीं तथा हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने बतला दिया था कि मोदी के प्रश्रय से गौतम अदानी दुनिया का दूसरा सबसे अमीर व्यक्ति बना है। इन तमाम विषयों पर उनसे अमेरिकी मीडिया बात करना चाहता था लेकिन जिन मोदी साहब ने खुद के देश में 2014 यानी पीएम की कुर्सी सम्भालने के बाद से कभी प्रेस कांफ्रेंस नहीं की है वे अमेरिका में प्रेस कांफ्रेंस करने के लिये कैसे आसानी से तैयार हो सकते थे जबकि यहां मीडिया का बड़ा हिस्सा सरकार समर्थक है। 2021 में तो खुद बाइडेन एक तरह से व्यंग्य स्वरूप कह चुके थे कि अमेरिकी मीडिया की तुलना में भारतीय मीडिया का व्यवहार काफी अच्छा है (स्वाभाविकतः मोदी ने इस पर रजामंदी दिखलाई थी)। कुल जमा यह देश के लिये शर्मनाक स्थिति है कि मीडिया से उनके बचने की चर्चा देश के बाहर उस व्यक्ति के द्वारा की जाये जिसकी आवाभगत में आपने पलक पांवड़े बिछाये थे तथा राजशाही को मात देने वाली आवभगत की थी। मोदी की मीडिया से बचने की हरकतें न सिर्फ भारतीय लोकतंत्र के लिये बेचैनी पैदा करने वाली हैं, बल्कि यह एक चुनी हुई सरकार द्वारा किया जाने वाला गैरजिम्मेदाराना रवैया है। मोदी को चाहिये कि वे मीडिया से वार्ताएं करें क्योंकि लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व संवाद ही है।

बिहार, झारखंड, यूपी में कांग्रेस की बड़ी मांग

कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में वोट और सीट के लिहाज से ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर है। पिछले विधानसभा चुनाव में उसे ढाई फीसदी से भी कम वोट मिले थे और उसका सिर्फ एक विधायक जीता। बिहार में भी कांग्रेस की जो हैसियत है वह राष्ट्रीय जनता दल के दम पर है। झारखंड में जरूर पार्टी की स्थिति थोड़ी ठीक है। लेकिन कांग्रेस अगले लोकसभा चुनाव में इन तीनों राज्यों में सहयोगी पार्टियों से बहुत ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है और उसने भी साथ मिल कर लडने का संकल्प किया है। लेकिन उसके नेता हैरान हैं कि दो फीसदी वोट वाली कांग्रेस कैसे 20 सीटों की मांग कर रही है। सपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के पास दो सीटों पर लडने के लिए नेहरू-गांधी परिवार से दो उम्मीदवार हो सकते हैं। इसके अलावा तो उसके पास अच्छे उम्मीदवार भी नहीं हैं। परंतु कांग्रेस ने 20 लोकसभा सीटों से मोलभाव शुरू किया है। उधर दूसरी सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने भी 12 सीटों से भाव-ताव शुरू किया है।बिहार में कांग्रेस पार्टी के नेता 2015 के विधानसभा चुनाव के फॉर्मूले के आधार पर अपनी सात सीटें पक्की मान रहे हैं लेकिन अभी पार्टी ने नौ सीटों से मोलभाव शुरू किया है। पहले कहा जा रहा था कि कांग्रेस की ओर से 16-16-8 सीट का फॉर्मूला बना है। यानी राजद और जदयू 16-16 सीट पर लड़ें और कांग्रेस को आठ सीट दें। लेकिन अब कांग्रेस ने एक सीट की मांग और कर दी है। उसे अब नौ सीटें चाहिएं। उधर झारखंड में जेएमएम गठबंधन में कांग्रेस हमेशा लोकसभा में ज्यादा सीटों पर लड़ती रही है। लेकिन अब जेएमएम की ताकत बहुत बढ़ गई है। वह 30 सीट के साथ विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है। सो, वह लोकसभा में भी बराबर या ज्यादा सीट मांग रही है। लेकिन कांग्रेस राज्य की 14 में से आठ से कम सीट पर लडने को तैयार नहीं है। असल में तीनों राज्यों में कांग्रेस को बेहतर करने की उम्मीद है। अभी इन तीन राज्यों की 134 सीटों में से कांग्रेस के सिर्फ तीन सांसद हैं। तीनों राज्यों में एक-एक।

मोरक्को: भूकंप की त्रासदी

जब भी प्रकृति अपना क्रोध दिखाती है तो कहर ढहाए बिना नहीं रहती। चांद और कई अन्य ग्रहों का छू लेने वाला विज्ञान भी प्राकृतिक आपदाताओं के सामने विवश है। पिछले कुछ वर्षों से प्रकृति के आक्रोश के खतरनाक मंजर देखने को मिल रहे हैं। भूकंप, सूनामी, बाढ़, तूफान आदि के रूप में प्रकृति मानव को अपनी चपेट में ले रही है। खौफनाक मंजर को देखकर ऐसा लगता है कि मनुष्य में प्राकृतिक आपदाताओं से संघर्ष करने का सामर्थ्य नहीं बचा है। भूकंप कब और कहां आएगा वैज्ञानिक इसका आज तक स्टीक उत्तर नहीं दे पाए। अफ्रीकी देश मोरक्को में आए भूकंप में 2000 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और सैकड़ों लोग घायल हो चुके हैं। भूकंप का केन्द्र एटलस पर्वत के पास दूघिल नाम का गांव बताया जा रहा है जो यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल माराकेश से 70 किलोमीटर दूरी पर है। भूकंप की वजह से पलभर में इमारतें ध्वस्त हो गई और चोरों तरफ चीख-पुकार मच गई। जिस इलाके में भूकंप आया है वहां 120 साल बाद सबसे ताकतवर भूकंप है। 19 साल पहले भी मोरक्को में भूकंप ने कहर बरपाया था। 2004 में आए भूकंप में 628 लोगों की मौत हुई थी। तब हालात इस कदर बुरे थे कि तबाही के बीच लोग सड़कों पर प्रदर्शन करने को मजबूर थे। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले लोगों का कहना था कि उन्हें सरकार की तरफसे कोई मदद नहीं मिली। लोगों को एम्बुलेंस तक नसीब नहीं हुई। मोरक्को का एक लम्बा इतिहास रहा है। मोरक्को अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर के साथ उत्तरी अफ्रीका में स्थित है। यह अल्जीरिया, स्पेन और पश्चिमी सहारा से घिरा हुआ है। विश्व के एक कोने में बसा यह देश यूरोप के करीब है। 1912 में मोरक्को-फ्रांस की संधि के साथ फ्रांस मोरक्को का संरक्षक बन गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मोरक्को ने आजादी के लिए दबाव डालना शुरू किया और 1944 ईस्वीं में स्वतंत्रता के लिए आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए इस्टिक्लल या स्वतंत्रता पार्टी बनाई गई थी। 1953 में संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य विभाग के अनुसार, लोकप्रिय सुल्तान मोहम्मद वी फ्रांस द्वारा निर्वासित किया गया था। उन्हें मोहम्मद बेन आराफ ने प्रतिस्थापित कर दिया था, जिसके कारण मोरक्कन लोगों ने आजादी के लिए और भी दबाव डाला। 1955 में मोहम्मद वी मोरक्को लौटने में सक्षम थे और 2 मार्च, 1956 को देश ने अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की। भारत में मोरक्को की पहचान खानाबदोश इब्नेबतूता से भी होती है। इब्नेबतूता मोरक्को का था जिसने 28 साल की उम्र में 75000 मील का सफर तय किया था। वह 1334 ई. में पहुंचा था, उस वक्त दिल्ली में सुलतान मोहम्मद बिन तुगलक का शासन था। तुगलक ने उसे 12000 दीनार के वेतन पर शहर का काजी नियुक्त किया था। बाद में घटनाक्रम बदला तो इब्नेबतूता को शक हो गया कि सुल्तान उसे मरवा देगा। उसके बाद इब्नेबतूता यहां से भाग गया। जहां तक भारत का संबंध है मोरक्को में लगभग 2000 भारतीय रहते हैं जिनमें से अधिकतर व्यापार करते हैं। कुछ भारतीय पर्यटन उद्योग से भी जुड़े हुए हैं। 1956 में भारत ने ही सबसे पहले मोरक्को को मान्यता प्रदान की थी। दोनों के संबंध इसलिए बने हुए हैं कि दोनों ही गुट निरपेक्ष आंदोलन के सदस्य रहे हैं। मोरक्को अफ्रीकी संघ और अरब लीग जैसे अंतर्राष्ट्रीय समूह का हिस्सा है। जिस अफ्रीकी संघ को जी-20 में भारत की पहल पर शामिल किया गया है। उस संघ का सदस्य मोरक्को भी है। मोरक्को की पहचान फुटबाल के लिए भी है। मोरक्को ने अपनी सेना के लिए 92 टूक भारत से ही खरीदे हैं। अपनी सेना को मजबूती देने के लिए मोरक्को ने भारत पर ही भरोसा किया। संकट की घड़ी में पूरी दुनिया का दायित्व है कि वह मानव की रक्षा के लिए आगे आए। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 सम्मेलन के अपने संबोधन में सबसे पहले मोरक्को में आए भूकंप में मारने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन समय में विश्व समुदाय मोरक्को के साथ है और उन्हें हम हर संभव सहायता देने के लिए तैयार हैं। भारत पूरे विश्व को अपना परिवार मानता है। इसलिए भारत हमेशा ही मानवता के कल्याण के लिए तत्पर रहता है। भारत ने प्राकृतिक आपदा प्रभावित देशों की हमेशा ही मदद की है। नेपाल का भूकंप हो या हैती का या तुर्की का भूकंप हो, भारत ने मानवता के नाते अपना फर्ज निभाया है। जी-20 में ब्रिटेन सहित सभी देशों ने मोरक्को की मदद का भरोसा दिया है। ऐसा भरोसा पाकर टूटा हुआ साहस पुनर्जीवित हो उठता है। दुख की घड़ी में ढांढस बंधाना मानवीय चरित्र भी है। प्राकृतिक आपदाएं संदेश देती हैं कि जब तक जियो प्रेम से जियो। प्रकृति का दोहन मत करो। प्रकृति के साथ-जीना सीखो और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखो।-**आदित्य नारायण**

आज का राशि फल

मेषः- योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन मौज मस्ती समय व्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा।

बृषभः- नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव्र।

मिथुनः- नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नये सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होने के आसार हैं।

कर्कः- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव। सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

कन्याः- मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। भाग्य से प्राप्त अच्छे-बुरे सभी परिस्थितियों के साथ समझौतावादी बनें। अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें।

तुलाः- पुराने गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारने की आवश्यकता है। अच्छे कायरे से परिजनों के दिल में जगह प्राप्त करेंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें।

वृश्चिकः- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी।

धनुः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न व्यतीत करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ के आसार। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है।

मकरः- सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन में अरुचिकर लगेगा। रोजगार के क्षेत्र में नये लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पिता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

कुंभः- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। समय का सदुपयोग करें।

मीनः- प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें।

अधीर चौधरी का बेसुरा राग

लोकसभा में विपक्ष के अनौपचारिक नेता और प. बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष श्री अधीर रंजन चौधरी ने जी-20 सम्मेलन में पधारे विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में भारत की राष्ट्रपति श्री द्रौपदी मुर्मु द्वारा दिये गये रात्रि भोज में अपने राज्य की मुख्यमन्त्री सुश्री ममता बनर्जी के शामिल होने पर तीखी आलोचना की है और पूछा है कि यदि वह प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की पक्की विरोधी हैं तो वह भोज में शामिल क्यों हुई? यह सवाल पूरी तरह बचकाना है और बताता है कि श्री चौधरी का राजनैतिक ज्ञान कितना आधा-अधूरा और उथला है। श्री चौधरी को सबसे पहले यह ज्ञात होना चाहिए कि हर विदेशी मेहमान के लिए मौजूदा केन्द्र सरकार किसी पार्टी की सरकार नहीं बल्कि 'भारत' की सरकार है। दूसरे यदि भारत के राष्ट्रपति की ओर से किसी भी मुख्यमन्त्री को निमन्त्रण भेजा जाता है तो उसका सम्मान करना उसका परम कर्त्तव्य और दायित्व है। बेशक हमारी व्यवस्था के अनुसार राष्ट्रपति का चुनाव राजनैतिक आधार पर ही होता है मगर पद पर बैठते ही राष्ट्रपति 'अराजनैतिक' हो जाता है। वह भारत के संविधान के संरक्षक होते हैं और इस नाते उनके लिए संवैधानिक पद पर चुने हुए सभी मुख्यमन्त्री किसी राजनैतिक दल की राज्य सरकारों के मुखिया नहीं रह जाते हैं बल्कि उन सभी प्रदेशों की जनता के सिरमौर होते हैं। अतः राष्ट्रपति द्वारा उन्हें गया निमन्त्रण संविधान के संरक्षक का निमन्त्रण होता है जिसकी शपथ लेकर ही किसी भी राज्य का किसी भी दल का व्यक्ति मुख्यमन्त्री बनता है।रात्रि भोज में गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमन्त्रियों का शिरकत करना संविधान का सम्मान करना ही होता है। मगर इसके साथ यह प्रश्न भी महत्पूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के अधिकारिक नेता श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को निमन्त्रण न भेजा जाना भी उतना ही पीड़ादायक है। भारत की संसदीय प्रणाली की राजनीति में संसद के दोनों सदनों के भीतर विपक्ष के नेता का भी अपना खास मुकाम व रूतबा होता है। यह उन महात्मा गांधी का देश है जिन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान ही स्पष्ट कर दिया था कि लोकतन्त्र में विरोधी या विपक्ष के नेता के विचारों का सम्मान सत्तारूढ़ दल द्वारा किया जाना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने अपने अखबार 'हरिजन' में सम्पादकीय लिख कर कहा था कि 'मैं अपने विरोधी के विचार उसे अपने से ऊंचे आसन पर बैठा कर सुनना पसन्द करूंगा'।विडम्बना यह है कि श्री चौधरी उस राजनैतिक नैतिकता व मर्यादा को नहीं समझ पाते हैं जिसका अनुसरण करने के लिए उनकी ही पार्टी के विभिन्न नेता गुहार लगाते रहते हैं। क्या श्री चौधरी चाहते थे कि राष्ट्रपति द्वारा बुलाये गये भोज का उसी प्रकार राजनीतिकरण किया जाना चाहिए था? नैतिकता का तकाजा था कि श्री चौधरी को राष्ट्रपति की भूमिका को राजनैतिक लाग-लपेट के घेरे में नहीं लाना चाहिए था और सारा मामला राष्ट्रपति के लोकाचार पर ही छोड़ देना चाहिए था जैसा कि श्री राहुल गांधी ने किया। मगर श्री चौधरी इसमें भी परोक्ष रूप से विपक्षी गठबन्धन इंडिया और सत्तारूढ़ भाजपा की राजनीति को ले आये। विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों के मुख्यमन्त्रियों ने रात्रि भोज में शामिल होकर बड़प्पन ही दिखाया है और सिद्ध किया है कि विदेशी मेहमानों के सामने पूरा भारत एक है। भारत की राजनीति उच्च मानदंड स्थापित करने वाली रही है जिसे सत्तारूढ़ व विपक्षी दल दोनों द्वारा ही शिरोधार्य करना चाहिए। डा. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान जब विपक्षी नेता श्री लालकृष्ण अडवानी को राष्ट्रसंघ में भेजा गया था तो श्री अडवानी ने वहां जाकर यह कहा था 'भारत सरकार द्वारा शुरू की गई मनरेगा स्कीम दुनिया की गरीबी हटाने की सबसे बड़ी योजना है'। यही तो लोकतन्त्र की मूल आत्मा है। संसद में विपक्ष के नेता को 'केबिनेट' स्तर के मन्त्री का दर्जा देने की प्रथा हमने 1977 में ही तब डाली जब देश में कांग्रेस विरोधी जनता पार्टी की सरकार स्व. मोरारजी भाई के नेतृत्व में बनी थी। उस समय संसद में इस आशय का कानून बनाया गया था। किसे निमन्त्रण भेजा जाना है यह कार्य राष्ट्रपति के सचिवालय का था क्योंकि राष्ट्रपति के अपने अलग लोकाचार (प्रोटोकोल) नियम होते हैं लेकिन माननीय चौधरी साहब को कौन समझाये कि पांच दशक से अधिक समय तक देश पर राज करने वाली उनकी पार्टी कांग्रेस ने ही संसद के भीतर से लेकर बाहर तक उच्च लोकतान्त्रिक परंपराएं स्थापित की। राष्ट्रपति के विदेश दौरों में विपक्षी दलों के सांसदों को भी साथ ले जाने की परंपरा शुरू की गई। भारत का लोकतन्त्र कोई छुई-मुई नहीं है कि सरकारी कार्यक्रमों में विपक्ष के नेताओं के शिरकत करते ही यह मुरझा जायेगा? हमारे पुरखे हमारे लोकतन्त्र को जड़ से जमा कर ही गये हैं। हमारी सरकारों ने जो लोकाचार (प्रोटोकोल) के जो नियम बनाये वे सत्ता में विपक्ष की भी भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि से कराये क्योंकि विपक्ष के नेता भी जनता का वोट पाकर ही संसद के सदस्य बनते हैं। रात्रि भोज के लिए सभी मुख्यमंत्रियों को निमन्त्रण भेजे गये थे। इसी वजह से इंडिया के घटक दलों जनता पार्टी व झारखंड मुक्ति मोर्चा के मुख्यमंत्रियों क्रमशः श्री नीतीश कुमार व हेमन्त सोरेन ने भी भाग लिया। यही तो भारत की ताकत है जिसका लोहा विदेशी भी मानते हैं।

सेना का फर्जी कर्नल बनकर युवाओं से ठगी करने वाला सरगना गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । यूपी एसटीएफ को थाना गंगानगर, जनपद मेरठ क्षेत्र से सेना का कर्नल बताकर अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर भारतीय सेना में भर्ती कराने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालें गिरोह के सरगना व शातिर अपराधी को कसेरू बक्सर मेरठ से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम सत्यपाल सिंह यादव पुत्र करन सिंह यादव ग्राम ईशापुर बुलन्दशहर है। इसके कब्जे से एक वर्दी भारतीय सेना के कर्नल रैंक की, आठ आईडी कार्ड, दो मोबाइल फोन, पांच रबड़ मोहर, एक प्रिन्टर, पांच ज्वानिंग लेटर सेना एलडीसी क्लर्क, 38 स्पीट पोस्ट स्लिप बरामद हुआ है।एसटीएफ को भारतीय सेना में अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर फर्जी तरीके से भर्ती कराने के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हो रही थी। इसी क्रम में एसटीएफ और मेरठ को आर्मी इंटलिजेंस मेरठ को हुआ कि अम्हेडा रोड कसेरू बक्सर में सत्यपाल नाम का व्यक्ति जो भारतीय सेना का रिटायर्ड है तथा अपने आपको सेना का कर्नल बताकर अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर भारतीय सेना में भर्ती कराने के नाम पर काफी अभ्यर्थियों के साथ धोखाधड़ी कर चुका है।आज अपने घर में कुछ लोगों को भर्ती कराने की बात कर रहा है। इस सूचना पर टीम अम्बेडा रोड कसेरू बक्सर स्थित सत्यपाल सिंह यादव के मकान पर पहुंची तो गेट का दरवाजा खुला था तथा घर के अन्दर से दो लड़के आते हुए मिले। जिनसे नाम पता पूछा तो पहले ने अपना नाम जितेन्द्र सिंह पुत्र दिनेश कुमार निवासी मीनाक्षीपुरम, थाना गंगानगर, मेरठ व दूसरे ने अपना नाम सुनील कुमार पुत्र दिनेश कुमार निवासी उपरोक्त बताया। सत्यपाल के घर पर आने का कारण पूछा तो सुनील ने बताया कि सत्यपाल सिंह यादव ने उसे व उसकी बहन को भारतीय सेना में एलडीसी क्लर्क के पद पर भर्ती कराने के नाम पर 16 लाख रुपये करीब दो साल पहले लिए थे। माह मई में उसके व उसकी बहन के नाम से ज्वाईनिंग लेटर स्पीड पोस्ट से उसके पैतृक निवास ग्राम इस्माईलपुर, तहसील सिकन्द्राबाद, बुलन्दशहर प्राप्त हुये। जिसमें सात मई को रिक्रूरूटमेंट आफिस एमजी रोड कंट-दो में ज्वाईनिंग करने के लिए लिखा गया था। इस पर वह और उसकी बहन पूनम सात मई 2023 को ज्वानिंग करने के लिये गये तो वहां इस नाम का कोई आफिस नहीं था। फिर उन्होंने आर्मी एएमसी हैड क्वार्टर लखनऊ जाकर जानकारी की गई तो वहां पर मौजूद आर्मी वालों ने बताया कि इस नाम का यहां पर कोई भी हैड क्वार्टर नहीं है, यह ज्वानिंग लेटर फर्जी है तथा आपके साथ किसी ने धोखा किया है। आज वह लोग इसी सम्बन्ध में बात करने आये थे। तत्पश्चात एसटीएफ टीम घर के अन्दर गयी तो ड्राइंग रूम में एक व्यक्ति भारतीय सेना के कर्नल की वर्दी पहने बैठा मिला तथा नेम प्लेट पर डीएस चौहान अंकित है। यह व्यक्ति दाहिनी पेर से पैरालाईसिज है। अपना परिचय देकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मैं भारतीय सेना में कर्नल हूं तथा मेडीकल पर चल रहा हूँ। साथ में आये लड़कों के बारे में पूछा कि क्या आप इन्हें जानते हो तो उसने कहा कि हां मैं इन्हें जानता हूँ। गिरफ्तार अभियुक्त ने संक्षिप्त पूछताछ पर बताया कि उसका असली नाम सत्यपाल सिंह यादव पुत्र करनसिंह यादव निवासी ग्राम ईशापुर, थाना गुलावठी, बुलन्दशहर है तथा वर्तमान में मकान नंबर 587 कसेरू बक्सर, अम्हेडा रोड मेरठ में रह रहा है। वह भारतीय सेना वर्ष-1985 में भर्ती हुआ था तथा वर्ष-2003 में नायक एमटी (ड्राईवर) के पद से रिटायर्ड हुआ है। उसकी शिक्षा 10वीं फेल है। रिटायर्ड होने के करीब तीन साल बाद उसे पैरालाईसिस हो गया था। सुनील कुमार उपरोक्त द्वारा उपलब्ध कराये गये ज्वानिंग लेटर के बारे में पूछताछ की तो बताया कि उसके लड़के रजत उर्फ देवेन्द्र व प्रशांत लेपटॉप पर टाईप कर प्रिंट निकालते है तथा वही ज्वानिंग लेटर विभिन्न जगहों से सम्बन्धित अभ्यार्थियों को उनके पते पर स्पीड पोस्ट करते हैं। वह अपने आपको भारतीय सेना में भर्ती केन्द्र का कर्नल बताकर लड़कों से उन्हें भारतीय सेना में भर्ती कराने के नाम पर मोटी रकम वसूल करता है। रजत उर्फ देवेन्द्र व प्रशांत के बारे में पूछताछ पर बताया कि वह लखनऊ किसी काम से गये हुये है तथा जिस लैपटॉप पर वह लेटर टाईप करते हैं उन्हीं के पास है। वह व उसके दोनों लड़के भारतीय सेना में भर्ती कराने के नाम पर प्रत्येक अभ्यार्थी से 7 लाख से लेकर 9 लाख रुपए तक लेते हैं। वह यह काम लगभग वर्ष-2016 से लगातार कर रहे हैं। इसी प्रकार के एक फर्जी वाडे के मामले में उसके दोनों लड़कों के विरूद्ध वर्ष-2019 में थाना इंचैली जनपद मेरठ में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के पुत्र रजत उर्फ देवेन्द्र व प्रशांत की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

राजधानी में फर्जी काल सेंटर का भंडाफोड़,चार गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । यूपी एसटीएफ ने इंटरनेट और फर्जी कॉल सेन्टर के माध्यम से नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले चार लोगों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर पता चला कि यह लोगों बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के नाम पर ऑफिस बुलाते थे। जहां फर्जी तरीके से दस्तावेज मिलाने के साथ साक्षात्कार तक अरेंज कराते थे। जिसके बाद ज्वाइनिंग लेटर के नाम पर बीस हजार से एक लाख रुपये तक की धनराशि लेते थे।गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम राजन श्रीवास्तव पुत्र स्व. प्रकाश लाल श्रीवास्तव निवासी बिसन्दरपुर जिला मीरजापुर ,राकेश शर्मा पुत्र राम कृष्ण शर्मा, निवासी बनगांव जिला गोरखपुर, सुरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र महेन्द्र प्रताप सिंह, निवासी ग्राम आचीतपुर जिला प्रतापगढ़ ,सुमेन्द्र तिवारी पुत्र स्व. जितेन्द्र तिवारी, निवासी ग्राम बेहता बुजुर्ग जिला हरदोई है। ये चारों अभियुक्त ओम प्लाजा सेक्टर 19 इंदिरानगर लखनऊ में रहते थे। एसटीएफ ने इनके कब्जे से तीन लैपटाप, 70 मोबाइल फोन, 97 कार्ड विभिन्न कंपनियों के, डाटा सीट कुल 141 वर्क, सीवी 42 वर्क, चेकबुक 13, पासबुक एक, एटीएफ कार्ड नौ, एटीएम स्वैपिंग मशीन एक बरामद किया है। एसटीएफ लखनऊ को काफी दिनों से फर्जी कॉल सेन्टर के माध्यम से बेरोजगार शिक्षित नवयुवकों से नौकरी के नाम पर धनउगाही करने वाले संगठित गिरोह के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हो रही थी। इसी क्रम में धर्मेश कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ मंगलवार को मुखबिर के माध्यम से ज्ञात हुआ कि विगत तीन वर्षों से लगातार फर्जी कॉल सेन्टर के माध्यम से बेरोजगार शिक्षित नव युवकों से नौकरी के नाम पर धनउगाही करने वाले संगठित गिरोह ओम प्लाजा इन्दिरानगर सेक्टर19 में कॉल सेन्टर खोल कर बेरोजगार नवयुवकों को गुमराह कर धनउगाही कर रहे है। इस सूचना पर निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह टीम के साथ मुखबिर के बताये हुए स्थान पर पहुंचकर आवश्यक घेराबन्दी करते हुए उपरोक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से उपरोक्त बरामदगी हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम सभी की मुलाकात नोएडा में नौकरी करने के दौरान हुई थी जिसके पश्चात विगत तीन वर्षों से हम लोग एक साथ फर्जी व कूटरचित नाम पतों पर प्री एक्टिवेटेड मोबाइल सिम कार्ड भारी मात्रा में खरीदते है व इन्टरनेट पर शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों का डाटा डाउनलोड कर उन्हे फोन कॉल करके फर्जी नौकरियों के नाम पर धन उगाही करते है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ गाजीपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

घर वापस जाते छात्र व विद्यालय में बैठे अध्यापक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर-अयोध्या । खराब मौसम और भारी बारिश की आशंका के चलतेमंगलवार को कक्षा 1 से इंटर तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय एवं जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश आर्या की अनुमति से विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा प्रधानाध्यापकों ने सुबह 8: 30 बजे छुट्टी का ऐलान किया। हालांकि इसके पहले स्कूल खुल चुके थे तथा बच्चे और शिक्षक स्कूल पहुंच गए थे। जिले भर में पिछले चार दिनों से मौसम का मिजाज खराब है और रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। ऐसे में स्कूल संचालन को लेकर पहले से ही संशय बना हुआ था। सोमवार को शिक्षा विभाग के अधिकारी इस पर कोई फैसला नहीं कर सके थे। मंगलवार सुबह हो रही हल्की बरसात के बीच विद्यालय में पठन-पाठन के लिए जब छात्र पहुंचे तब फोन से विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापकों को शिक्षा विभाग के जिले के अधिकारियों द्वारा सूचना दी गई कि आज स्कूल बंद रहेंगे। लेकिन इससे पहले ही सुबह 8 बजे तक शिक्षक व बच्चे स्कूल पहुंच गए थे। मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र के कई परिषदीय विद्यालयों के अध्यापकों ने बताया कि जब आदेश मिला तब एमडीएम बनाने की तैयारी हो चुकी थी। यही आदेश समय से किया गया होता तो बच्चों को परेशानी नहीं उठानी पड़ती। परिषदीय विद्यालय के कक्षा 4 से कक्षा 8 के छात्र छात्राओं की आज निपुण एसेसमेंट परीक्षा होनी थी। लेकिन विद्यालय बंद होने की घोषणा के बाद जब छात्र -छात्राएं घर चले गए तो विद्यालय पुनः खुलने का आदेश विभागीय अधिकारियों द्वारा दे दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर राजेश कुमार ने बताया कि नीट असेसमेंट परीक्षा रद्द कर दी गई है। आदेश आने के बाद छात्रों की परीक्षाएं ली जाएगी। परिषदीय विद्यालय अध्यापक छात्रों की अभिभावको से पुनः विद्यालय भेजने की अपील के तथा छात्रों के आने का इंतजार करते रहे। लेकिन 11:00 बजे तक एक भी छात्र विद्यालय दोबारा नहीं पहुंच सके थे।

खून में संक्रमण होने से शरीर के विभिन्न अंगों का होता नुकसान - डॉ. वेद प्रकाश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सेप्सिस के इलाज के लिये एक समान्वित एवं साक्ष्य आधारित द्रष्टिकोण तथा इलाज की जरूरत होती है। सेप्सिस की रोकथाम के लिये सबसे जरूरी जनमानस को सेप्सिस के प्रारम्भिक लक्षणों के बारे में जागरुक करना तथा लोगों को अपने स्वास्थ्य विशेष ध्यान रखना चाहिए। शरीर की प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने के लिये संतुलित आहार, व्यायाम,साफ सफाई का ध्यान रखें ।यह बातें केजीएमयू के पल्मोनरी क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में मंगलवार को विश्व सेप्सिस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेप्सिस रोको जीवन बचाओ थीम के तहत विभागाध्यक्ष डॉ.वेद प्रकाश ने कही। उन्होंने कहा कि सेप्सिस के खिलाफ लड़ाई के लिये यह जरुरी है कि हम एण्टीबायोटिक्स का इस्तेमाल डॉक्टरों के परामर्श पर करें। सही समय पर सही एण्टीबायोटिक्स का इस्तेमाल ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी जानना जरूरी है कि इसका इस्तेमाल कब नहीं करना चाहिए।ज्ञात हो कि सेप्टिसीमिया में खून में संक्रमण की वजह से शरीर के विभिन्न अंगों में नुकसान होता है जिससे ब्लड प्रेशर में कमी, अंगो का निष्क्रिय होना हो सकता है। अगर सही समय पर इसकी पहचान एवं उपचार ना किया जाये तो इससे मृत्यु भी हो सकती है। डॉ. वेद ने कहा कि सेप्सिस सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। प्रतिवर्ष 5 करोड़ लोग इससे ग्रसित होते है। इसमें 40 प्रतिशत मामले,पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में होते हैं। पूरे विश्व में सेप्सिस के कारण प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ 10 लाख लोगों की मृत्यु होती है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में पांच में से एक मृत्यु सेप्सिस से होती है एवं अस्पतालों में होने वाली मृत्यु में सबसे बड़ा कारण सेप्सिस है। सेप्सिस से सबसे ज्यादा मृत्यु बुजुर्ग एवं बच्चों में होती है।जानें सेप्सिस होने के प्रमुख कारण..
सेप्सिस निमोनिया, मूत्र मार्ग में संक्रमण, सर्जिकल साइट संक्रमण, डायबिटीज आदि जैसी प्रतिरक्षा तंत्र कम करने वाली बीमारियों के ग्रसित लोगों में सबसे ज्यादा होता है। क्टीरिया से होने वाला संक्रमण यह सेप्सिस का सबसे प्रमुख कारण है। यह विभिन्न प्रकार से हो सकता है, जैसे फेफड़ों का संक्रमण निमोनिया, पेशाब के रास्ते का संक्रमण, त्वचा एवं अन्य अंगों का संक्रमण इत्यादि।

ससुराल गए युवक की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत

मिल्कीपुर-अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के पिलाई गांव निवासी 38 वर्षीय रामनाथ पुत्र राम अभिलाख थाना खंडासा क्षेत्र के मठिया गांव निवासी रामभरत पुत्र राजाराम के यहां अपनी ससुराल गया था। रामनाथ शौच के लिए गांव के बाहर खेत की ओर चला गया। काफी समय बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं लौटा तो ससुराली जनों ने खोजबीन करना शुरू किया। गांव के बाहर खेत में लगे झटका मशीन के तार में रामनाथ लपटे हुए पड़े थे। ऐसा देख पर परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रामनाथ के ससुराल के लोगों ने घटना की जानकारी मृतक के पिता राम अभिलाख व अन्य परिजनों को दी। जानकारी मिलने के बाद रोते बिलखते परिजन मठिया गांव पहुंच गए। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद थानाध्यक्ष खंडासा मनोज कुमार यादव ने उपनिरीक्षक प्रमोद यादव पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोकुला गांव में आकाशीय बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त महुआ का पेड़

मिल्कीपुर-अयोध्या। भीषण बरसात के बीच बादलों की गड़गड़ाहट से लोग सहम गए और कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की वजह से पेड़ और आवारा जानवरों से बचाव हेतु खेतों में लगाई गई झटका मशीन संयंत्र जलकर नष्ट हो गए। बता दें कि बीती रात लगभग 1 बजे के आसपास तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश होने लगी। आकाशीय बिजली की गड़गड़ाहट इतनी तेज हो रही थी कि जैसे बॉर्डर पर जवान तोपों की सलामी दे रहे हो। गड़गड़ाहट के ध्वनि से लोग डर गए और आकाशीय बिजली तथा बादल की गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर इतना सहम गए कि लोग घर से बाहर निकलना अपने आप को असुरक्षित समझने लगे। सुबह होते ही कुछ लोगो ने बताया कि हमारे जीवन में पहली बार ऐसा हुआ है कि बादलों की गड़गड़ाहट से लोग अपने घरों में सहमें बैठे रहे। हर एक मिनट में बादलों के टकराव के कारण आकाशीय बिजली की चमक तथा कई- कई आवाजें निकलती रही। जिससे लोग घबराकर अपने-अपने घरों में लगभग तीन घंटे तक दुबके रहे। वहीं कुमारगंज थाना क्षेत्र के गोकुला गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से विशालकाय महुआ का पेड़ पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मंगलवार की सुबह देखने वालों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोग अपने-अपने तरीके से लोग रात की स्थिति बया कर रहे थे। जिस पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी थी वहीं से लगभग 50 मीटर की दूरी पर सोए हुए गांव के वीरसेन सिंह ने बताया कि भैया आज लाग की ज़िन्दगी कय आखिरी दिन है। बहुत तेज आवाज मां हमरे सामने महुआ के पेड़ पर बिजली गिरी, पेड़ फाटि गंवा। वहीं पर मौजूद राजेश गुप्ता ने बताया कि जिंदगी में पहली बार ऐसी गड़गड़ाहट देखी है, चारों तरफ आसमान में उजाला ही उजाला दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि अब जिंदगी यहीं समाप्त हो जाएगी। कुछ लोगों ने बताया कि गड़गड़ाहट से इतना डर गए थे कि कान में उंगली डालकर बैठे रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोद भराई कार्यक्रम हुआ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार को उद्धतखेड़ा,लवकुश नगर, गोड़ियनपुरवा सहित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर करीब 3500 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गयी। वहीं बक्सी तालाब आँगनबाड़ी केंद्र,गोड़ियनपुरवा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विद्यावती ने बताया कि गोद भराई में गर्भवती को लैया, गुड़,मौसमी सब्जी चना, फल और दालें दीं। इसके साथ ही उन्हें बताया कि गर्भावस्था के दौरान नियमित भोजन के अलावा एक अतिरिक्त आहार जरूर लेना चाहिए ।भोजन में चार रंग के खाद्य पदार्थों जैसे दूध से बने पदार्थ, पीले और नारंगी फल व सब्जियां, हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें।रोज चावल, दाल, अंकुरित अनाज का सेवन करें।एएनएम दीदी जो आयरन और कैल्शियम की गोलियां खाने को देती हैं वह जरूर खाएं। आयरन और कैल्शियम को एक साथ नहीं खाना है।आयरन को रात में खाना खाने के बाद लें,इसे नींबू पानी, आँवला के साथ लेने का प्रयास करें इससे शरीर में आयरन का अवशोषण बढ़ता है,इसके साथ ही कैल्शियम की गोलियां दूध के साथ लें, खाने में स्थानीय जो भी फल उपलब्ध हों उन्हें जरूर खाएं।इसके साथ ही जो पोषाहार मिलता है उसका सेवन करें । बाशा सेक्टर की सुपरवाइजर ज्योति सिंह ने बताया कि गोदभराई के दौरान गर्भवती और उसके परिवार वालों को खान-पान, आराम, प्रसव की तैयारियों की सलाह दी जाती है। पहली तिमाही की गर्भवती की गोदभराई की जाती है।

खड़े कंटेनर में भिड़ी लोडिंग टेम्पो, एक की मौत

अयोध्या। लखनऊ हाइवे पर मंगलवार की सुबह एक लोडिंग टैम्पो सड़क किनारे खड़े कंटेनर में जा टकराई। हादसे में लोडिंग टेम्पो के सहायक की मौत हो गई। जिला अस्पताल प्रशासन के मेमो पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है। बताया गया एक लोडिंग टैम्पो मोबाईल टावर का उपकरण लेकर कानपुर से खलीलाबाद जा रहा था। वाहन को चालक रवि कुमार चला रहा था। हाइवे पर भोर में लगभग पांच बजे लोडिंग टैम्पो रुदौली कोतवाली क्षेत्र के भेलसर स्थित फायर स्टेशन के सामने सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर में पीछे से जा टकराई। जिसके चलते लोडिंग टैम्पो का सहायक 40 वर्षीय कन्हैयालाल पुत्र शीतला प्रसाद निवासी 12/1 ग्वालटोली थाना ग्वालटोली जनपद कानपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित कर चालक के साथ घायल सहायक को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाया।

पुलिस की सक्रियता से आत्महत्या करने जा रही महिला की बची जान

लखनऊ। राजधानी के थाना बिजनौर क्षेत्र में एक महिला फांसी लगाकर आत्म हत्या करने जा रही थी। इस दौरान किसी ने डायल 112 पर इसकी जानकारी दी तो पुलिस ने फौरन पहुंचकर महिला के फांसी पर झूलने से पहले बचा लिया। इसके बाद पुलिस और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद पुलिस ने महिला और उसके पति के आपसी विवाद का निपटारा करवाकर हंसी खुशी से साथ रहने के लिए राजी कर लिया।मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे डायल 112 को सूचना मिली कि सीमा सिटी बिजनौर रोड थाना बिजनौर में एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्म हत्या का प्रयास किया जा रहा है। उक्त सूचना पर पीआरवी 0473 के कर्मचारी व थाना बिजनौर पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी द्वारा तत्काल मौके पर जाकर तत्परतापूर्वक घर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर फांसी लगाने जा रही महिला को बचा लिया गया। जानकारी करने पर पता चला कि उक्त महिला की शादी 21 मई 2021 को हुई थी। जिनके पति फतेहपुर जनपद में मेडिकल कालेज में पोस्ट हैं व महिला भी लखनऊ में अध्यापन का कार्य करती है। दोनों पति-पत्नी में आपसी घरेलू विवाद के कारण तनाव में आकर महिला द्वारा यह कदम उठाने जा रही थी। दोनों पति-पत्नी को समझाने-बुझाने व मीडिएशन करने के बाद अपनी पूर्व की गलतियों को सुधारते हुए भविष्य में मिल जुलकर सुखमय जीवन जीने के लिए सहमत होकर राजी खुशी रहने को तैयार है।

नशे के विरूद्ध जागरूता अभियान चलाते अवध विवि के छात्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में ''एक युद्ध नशे के विरुद्ध÷ जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग में ÷नशीली दवाओं और मादक पदार्थों का दुरुपयोग और इसके अवैध व्यापार की रोकथाम÷ विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। विवि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, नोडल अधिकारी प्रो0 अनूप कुमार एवं प्रो. गंगाराम मिश्र द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रिया गुप्ता को प्रथम स्थान, साक्षी रावत द्वितीय स्थान, सादिया रिजवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसमें विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर रचनात्मकता का परिचय दिया। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं ने परिसर में जागरूकता रैली निकाली। इस अभियान को सफल बनाने में डॉ. अंकित मिश्र, डॉ. शिवांश, रत्नेश यादव, श्रीमती शालिनी पांडेय, डॉ. सरिता पाठक, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जीबीटी संस्था द्वारा प्राथमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास का तोहफा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए गिव बैक टू कम्यूनिटी संस्था द्वारा प्राथमिक विद्यालय पहाड़गंज मसौधा व प्राथमिक विद्यालय ठेउंगा सोहावल को स्मार्ट क्लास की सौगात दी गई। प्राथमिक विद्यालय पहाड़गंज मसौधा में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन इनहरव्हील क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ममता सिंह व विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अर्चना सिंह ने किया वही प्राथमिक विद्यालय ठेउंगा सोहावल की स्मार्ट क्लास का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य चन्द्रभान सिंह और विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज द्विवेदी ने किया। इन विद्यालयों को संस्था द्वारा स्मार्ट टीवी, इन्वर्टर, एलार्म सिस्टम, एंड्रायड मोबाइल, ट्राइपॉड व स्मार्ट क्लास का पूरा सेटअप प्रदान किया गया मीडिया मीडिया मीडिया प्रभारी अपर्णा द्विवेदी ने बताया कि जी बी टी सी संस्थापिका किरन दीप संधू और देवेश मोहन की प्रेरणा से ट्रस्ट अब तक 13 विद्यालयो को स्मार्ट क्लास प्रदान कर चुका है जिससे भविष्य मे 100 स्मार्ट क्लास का लक्ष्य पूरा हो सके। ट्रस्ट से जुड़कर 15-20 स्वयंसेवी शिक्षक अपनी पूरी ऊर्जा लगाकर वंचित बच्चो का भविष्य सवार रहे है। बीते 10 सितंबर को कृष्णा पैलेस होटल के सभागार मे इन्ही शिक्षको को सम्मान देने और भारत के पूर्व राष्ट्रपति व महान शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद करने हेतू शिक्षक दिवस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे प्रोजेक्ट डायरेक्टर सौमित्र दूबे द्वारा सभी स्वयंसेवी, अध्यापको व 13 स्मार्ट स्कूलों से आए प्रतिनिधि शिक्षको का औपचारिक स्वागत प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया। प्रोजेक्ट लीडर अनामिका मिश्रा, पंकज आर्या व संतोष गुप्ता द्वारा अध्यापको को नवीन गतिविधियो व ऊर्जा के साथ कार्य करने को कहा गया साथ ही प्रदेश सरकार की चल रही निपुण योजना पर जोर-शोर से कार्य करने को कहा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अनूप मन्होत्रा (जिला स्काउट कमीशनर) को प्रथम, अनामिका मिश्रा व सर्वेश् तिवारी को दृतिय व संतोष गुप्ता को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। शिक्षक दिवस पर आधारित आनलाइन प्रश्नोत्तरी मे विवेक प्रताप सिंह प्रथम, नीलम व अखिलेश दृतिय तथा पंकज आर्या, सर्वेश तिवारी व दिव्या चतुर्वेदी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का सफल व शानदार संचालन विद्या यादव व निवेदिता उपाध्याय ने किया। जी बी. टी. सी. शिक्षक सम्मान कार्यशाला मे श्रीमती मीनू दूबे, प्रोजेक्ट डायरेक्ट सौमित्र दूबे, प्रोजेक्ट लीडर अनामिका मिश्रा, पंकज आर्या, संतोष गुप्ता, सत्येन्द्र गुप्ता, सम्पूर्णानन्द सिंह, प्रज्ञा पाण्डेय, संजय पांडेय, अर्पणा द्विवेदी, महेन्द्र, अंकिता बारी, नीलम, शालिनी, साधना, आशुतोष सिंह, अखिलेश, आलोक, धनश्याम व जी बी टी सी के अन्य कर्मठ मेंटर्स और 13 स्मार्ट स्कूलों से आए समर्पित प्रतिनिधि अध्यापक उपस्थित रहे।

मिशन निरामया के तहत सैकड़ों लोगों को मिला रोजगार - ब्रजेश पाठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । मिशन निरामया के तहत सैकड़ों लोगों को रोजगार दिया गया है,नर्सिंग कोई पेशा नहीं बल्कि मानव सेवा का एक जरिया है। प्रदेश में नर्सिंग और पैरामेडिकल के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं । यह जानकारी मंगलवार को एसजीपीजीआई में आयोजित स्टेट फैकल्टी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन के दौरान कही। उन्होंने ए श्रेणी के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों का प्रशस्ति पत्र वितरण एवं निरामया गौरव, नर्सिंग टीचर एक्सीलेंस अवार्ड वितरित किया।साथ ही उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्डों को युद्ध स्तर पर तैयार कराया जा रहा है। एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज के तहत प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्य जारी है। नियमित रूप से नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में भर्तियां की जा रही हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष आठ अक्टूबर को मुख्यमंत्री ने मिशन निरामया के तहत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के क्षेत्र में कॉलेजों की ग्रेडिंग व्यवस्था का शुभारंभ किया था। इन्हे ए ग्रेड संस्थानों को सम्मानित किया जा रहा है। जिसमें कॉंटिनियस नर्सिंग प्रोफेशनल डवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की गई है। उत्तर प्रदेश नर्सिंग पेशे के लिए इतना व्यापक कार्यक्रम लागू करने वाला भारत का पहल राज्य बनने जा रहा है। इस अभियान के तहत कार्यशालाएं, सेमिनार, वेबिनार और कौशल प्रदर्शन कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने जानकारी दी कि निरामया गौरव के अंतर्गत नर्सिंग शिक्षक उत्कृष्ता पुरस्कार लॉच किया जा रहा है। मिशन निरामया की वेबसाइट भी शुरू की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह, एसजीपीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमान समेत अन्य चिकित्सक मौके पर मौजूद रहे।

मनाई गई ब्रम्हलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज की पुण्य तिथि

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। विश्व हिंदू महासंघ के संस्थापक, गौरक्षपीठाधीश्वर, राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के अग्र पृणेता, हिंदू पुनर्जागरण अभियान के प्रवर्तक एवं सामाजिक समरसता के अग्रदूत, उ प्र के मुख्यमंत्री, गौरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के गुरू महंत अवेद्यनाथ महाराज की नौवीं पुंयतिथि विश्व हिंदू महासंघ उ प्र के प्रदेश मंत्री दीपक कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रयागराज संगमतट पर पूरे विधि विधान एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनायी गयी।सर्वप्रथम योग्य आचार्यो के मंत्रोच्चार के मध्य प्रदेश मंत्री दीपक कुमार त्रिपाठी, प्रयागराज महानगर अध्यक्ष धीरज शर्मा, कमल शर्मा, महानगर अध्यक्ष धर्माचार्य प्रकोष्ठ एवं निवर्तमान जिला मंत्री झाँसी अमित कंचन, के द्वारा पावन गंगाजल से ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के चित्र स्वरूप का अभिषेक, पूजन हवन करने के उपरांत आरती की गयी। इसके बाद ब्रम्हलीन महंत अवैद्यनाथ के जीवन के लक्ष्य हिंदू जनजागरण, सामाजिक समरसता तथा हिंदू राष्ट्र की स्थापना की अतिशीघ्र घोषणा की कामना एवं उनके परम योग्य शिष्य एवं गौरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज की दीर्घायु एवं हिंदू राष्ट्र की कामना के साथ संकल्प किया गया। आरती के बाद प्रयागराज संगम तट पर दीन दुखियों एवं गरीबों को प्रसाद के रुप में फल वितरण, अन्न दान, वस्त्र दान किया गया। इस अवसर पर मुन्ना तिवारी, सुदामा सेन, विशाल पांडेय, संजय तिवारी, विष्णु तिवारी, संजय निषाद, गोविंद निषाद, अमित कश्यप आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कमल शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष धीरज शर्मा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

थाना थरवई पुलिस द्वारा 07 नफर वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा दिनांक 12.09.2023 को मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 (जे0डी0) कक्ष सं0 ड्ड इलाहाबाद द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बंधित मु0नं0- 2795/2005 धारा-143/506 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त 1. सन्तलाल पुत्र हीरालाल उम्र करीब 59 वर्ष निवासी लखरांवा थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, मु0नं0- 66/2017 धारा-323/504 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त 2. प्रदीप कुमार पुत्र रामसूचित उम्र करीब 35 वर्ष निवासी बेरुई थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, मु0नं0- 595/ 2021 धारा-498ए/323/504/506 भा0द0सं0 व ड डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्तगण 3. कुवँर शर्मा पुत्र स्वः होरीलाल शर्मा उम्र करीब 35 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, 4. जय शर्मा पुत्र स्वः होरीलाल शर्मा उम्र करीब 27 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, 5. भारत शर्मा पुत्र स्व0 होरीलाल शर्मा उम्र करीब 28 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज , मु0नं0-776/2006 धारा-392 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त 6. छोटे पुत्र रामसुमेर उम्र करीब 50 वर्ष निवासी दुआरी थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, मु0नं0-970/2006 धारा-323/504/ 325 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त 7. राम कैलाश पुत्र शोभनाथ उम्र करीब 59 वर्ष निवासी तारडीह थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज को क्रमशः उनके निवासी ग्राम से गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के पश्चात आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तगण का विवरण-1. सन्तलाल पुत्र हीरालाल उम्र करीब 59 वर्ष निवासी लखरांवा थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।2 .प्रदीप कुमार पुत्र रामसूचित उम्र करीब 35 वर्ष निवासी बेरुई थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. कुवँर शर्मा पुत्र स्व0 होरीलाल शर्मा उम्र करीब 35 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. जय शर्मा पुत्र स्व0 होरीलाल शर्मा उम्र करीब 27 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।5. भारत शर्मा पुत्र स्व0 होरीलाल शर्मा उम्र करीब 28 वर्ष निवासी पण्डिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।6. छोटे पुत्र रामसुमेर उम्र करीब 50 वर्ष निवासी दुआरी थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।7. राम कैलाश पुत्र शोभनाथ उम्र करीब 59 वर्ष निवासी तारडीह थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज । सम्बन्धित अभियोग का विवरण-1.मु0नं0-2795/2005 धारा-143/506 भा0द0सं0 मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 5 (जे0डी0) कक्ष सं0 इलाहाबाद ।2.मु0नं0- 66/2017 धारा-323/504 भा0द0सं0 मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 5 (जे0डी0) कक्ष सं0 इलाहाबाद ।3.मु0नं0- 595/ 2021 धारा-498ए/323/504/506 भा0द0सं0 व ड डी0पी0 एक्ट मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 5 (जे0डी0) कक्ष सं0 इलाहाबाद ।4.मु0नं0-776/2006 धारा-392 भा0द0सं0 मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 5 (जे0डी0) कक्ष सं0 इलाहाबाद ।5.मु0नं0-970/2006 धारा-323/504/ 325 भा0द0सं0 मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 5 (जे0डी0) कक्ष सं0 इलाहाबाद ।

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म से सम्बन्धित अभियोग में वांछित अभियुक्त थाना कोरांव पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कोरांव पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 371/2023 धारा 376/452/506 भा0द0वि0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त संगम लाल उर्फ मिथिलेश पुत्र तीरथ निवासी ग्राम रामपुर कला थाना कोरांव प्रयागराज को दिनांक 12.09.2023 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम रामपुर कला थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-संगम लाल उर्फ मिथिलेश पुत्र तीरथ निवासी ग्राम रामपुर कला थाना कोरांव प्रयागराज, उम्र करीब 32 वर्ष । संबंधित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-371/2023 धारा 376/452/506 भा0द0वि0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. थानाध्यक्ष विनोद कुमार थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. का0 आशीष सिंह थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 सच्चिदानन्द यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. का0 विरेन्द्र विक्रम यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।

रोजगार मेले में 252 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 12.09.2023 को पं0 गोपीनाथ मिश्र महाविद्यालय, रामपुर देउली, प्रतापपुर, प्रयागराज परिसर में प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में मुख्य अतिथि श्री अमर नाथ यादव चेयरमैन फूलपुर(भाजपा) द्वारा बेरोजगार नवयुवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी एवं सेवायोजन कार्यालय के सार्थक प्रयास को सराहा गया। इस कार्यक्रम में सहा0जि0रो0स0 अधिकारी श्री प्रवीन यादव, मेला प्रभारी श्री मारुफ अहमद आदि उपस्थित रहे। मेले में कैरियर काउंसलिग श्री विश्वमोहन द्विवेदी एवं श्री के0के0 कुशवाहा, अनु0 द्वारा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ0 नागेन्द्र नारायण मिश्र द्वारा किया गया।कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की कम्पनियां कैरियर ब्रीज स्किल साल्यूशन द्वारा 50, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक प्रा0लि0 द्वारा 12, डिजर्व कैरियर केयर प्रा0लि0 द्वारा 69, नेक्सा सिक्योरिटी गार्ड सर्विसेज द्वारा 31, बुसा मैनेजमेंट मार्केटिंग लि0 द्वारा 40 एवं डस्की स्टैलियन कन्सल्टेंसी सर्विस प्रा0लि0 द्वारा 50 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। उक्त मेले में कुल 252 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में कुल 529 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया।

थाना घूरपुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 50 लीटर अवैध कच्ची शराब महुआ व शराब बनाने के उपकरण बरामद

प्रयागराज। थाना घूरपुर पुलिस द्वारा दिनांक 11.09.2023 को अभियुक्त उत्तम भारतीया पुत्र शम्भूनाथ निवासी ग्राम हथिगनी थाना घूरपुर प्रयागराज को अभियुक्त उपरोक्त के घर से बहद् ग्राम हथिगनी थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार कर, कब्जे से 50 लीटर अवैध कच्ची शराब महुआ व शराब बनाने के उपकरण बरामद किये गये, तथा मौके पर 02 कुन्तल लहन नष्ट किया गया । उक्त गिरफ्तारी/ बरामदगी के संबंध में थाना घूरपुर में मु0अ0सं0 331/2023 धारा 60(2) EX ACT पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- उत्तम भारतीया पुत्र शम्भूनाथ निवासी ग्राम हथिगनी थाना घूरपुर प्रयागराज, उम्र करीब 32 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 331/2023 धारा 60(2) EX ACT थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण- 50 लीटर अवैध कच्ची शराब महुआ व शराब बनाने के उपकरण ।गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. उ0नि0 उमाशंकर थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. उ0नि0प्रशि0 अरविन्द कुमार सिंह थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. का0 कुलदीप चौधरी थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज।4. का0 बृजेश कुमार राय थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना करैली पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना करैली पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय एएसजे 06 इलाहाबाद द्वारा निर्गत NBW केस नं0 1280/2023 मु0अ0सं0 34/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त सूफियान खाँ पुत्र मुन्ने खाँ निवासी 143 तुलसीपुर रसूलपुर बड़ी मस्जिद थाना करैली जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक- 12.09.2023 को तुलसीपुर थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण -सूफियान खाँ पुत्र मुन्ने खाँ निवासी 143 तुलसीपुर रसूलपुर बड़ी मस्जिद थाना करैली जनपद प्रयागराज, उम्र 20 वर्ष संबंधित अभियोग का विवरण माननीय न्यायालय एएसजे 06 इलाहाबाद द्वारा निर्गत NBW केस नं0 1280/2023 मु0अ0सं0 34/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1.उ0नि0 अजय सिंह वर्मा थाना करैली कमिश्नरेट प्रयागराज।2.का0 अंकित शर्मा थाना करैली कमिश्नरेट प्रयागराज।3. का0 युवराज सिंह थाना करैली कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना बारा पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद

प्रयागराज। थाना बारा पुलिस द्वारा दिनांक 11.09.2023 को घुरमी रेलवे क्रासिंग के पास बहद ग्राम घुरमी थाना क्षेत्र बारा से अभियुक्त गंगा चौहान पुत्र रमेश चौहान निवासी ग्राम सेंहुड़ा थाना बारा जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर, कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी /बरामदगी के संबंध में थाना बारा में मु0अ0सं0 118/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- गंगा चौहान पुत्र रमेश चौहान निवासी ग्राम सेंहुड़ा थाना बारा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 118/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण- 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब ।गिरफ्तार/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. उ0नि0 सत्यपाल यादव थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज 2 का0 अजीत यादव थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

प्रयागराज सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पंडित धर्मराज पाण्डेय को दी गई श्रद्धांजलि

प्रयागराज। प्रयागराज सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पंडित धर्मराज पाण्डेय विगत 12 सितंबर, अंग्रेजी तारीख के अनुसार आज ही के दिन उनका निधन हुआ था। जिस पर आज प्रयागराज सेवा समिति के दारागंज स्थित कार्यालय पर पंडित जी के छोटे भ्राता पंडित ध्रुव राज पाण्डेय की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि, अर्चन संकल्प का आयोजन हुआ।

बची रह गई फीडम फाइटर, विकलांग व सैनिक कोटा के 90 सीटें

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड रूरल टेक्नोलॉजी (आईईआरटी) के शैक्षिक सत्र 2023-24 की काउन्सिलिंग मंगलवार को समाप्त हो गई। इस सत्र में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। मैनेजमेंट ब्रांच की सीट पहले ही दिन फुल हो गई। वहीं डिप्लोमा इंजीनियरिंग की काउन्सिलिंग शुरुआत में ही कई ब्रांच में सामान्य व ओबीसी वर्ग की सीट फुल हो गई थी जिसके कारण अभ्यर्थियों ने प्रवेश नहीं लिया। वहीं कई अभ्यर्थियों को मन मुताबिक ब्रांच न मिलने के कारण अन्य ब्रांच में प्रवेश लिया। आईईआरटी के निदेशक विमल मिश्रा ने सभी नव प्रवेशी छात्र- छात्राओं को बधाई दी और पढ़कर अपना भविष्य उज्वल बनाए। उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट सौ प्रतिशत होती है। संस्थान में आने वाली कम्पनी छात्र-छात्राओं को अच्छे पैकेज देती है। सभी नव प्रवेशी छात्र-छात्राएं अनुशासन का पालन अवश्य करें। परीक्षा सचिव उमाशंकर वर्मा ने बताया कि काउंसलिंग के अंतिम दिन 20 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराकर प्रवेश लिया। अब तक 885 का प्रवेश हुआ है। डिप्लोमा इंजीनियरिंग की 13 ब्रांचों में 975 सीट है। बची हुई 90 सीट में फीडम फाइटर, विकलांग व सैनिक कोटा की है। बता दें कि आईईआरटी में डिप्लोमा इंजीनियरिंग की 13 ब्रांचों की पढ़ाई होती है। इलेक्ट्रिकल, सिविल, सिविल कंट्रेक्शन टेक्नोलॉजी, सिविल पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल ऑटोमोबाइल, मैकेनिकल पॉवर प्लांट, मैकेनिकल प्रोडक्शन, मैकेनिकल रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन, मैकेनिकल टूल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल ट्यूबवेल इंजीनियरिंग, प्लास्टिक इंजीनियरिंग ब्रांच हैं।

आवारा पशुओं को पकडकर अस्थायी गोआश्रय स्थलों में स्थानान्तरित करने का आदेश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सड़कों एवं रिहाइशी इलाकों में छुट्टा एवं आवारा पशुओं की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं/असुविधाओं को रोकने के दृष्टिगत मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में तहसीलवार समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने प्रत्येक तहसील के अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत से उनकी तहसीलों के छुट्टा / आवारा पशुओं की जानकारी ली तथा सभी पशुओं को पकडकर अस्थायी गोआश्रय स्थलों में स्थानान्तरित करने की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही सभी संबंधित गोआश्रय स्थलों पर आवश्यक सुविधायें, वैकिसनेशन तथा समुचित गीले एवं हरे चारे की व्यवस्था करने को भी कहा।मण्डलायुक्त ने लापरवाही बरत रहे गो मालिकों का मानक के अनुरूप चालान करने के भी निर्देश दिए तथा अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, हण्डिया एवं चायल द्वारा छुट्टा पशुओं की संख्या के संबंध में संतोषजनक उत्तर न दे पाने पर उप जिलाधिकारी हण्डिया एवं चायल से इस संबंध में आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने चेतावनी देते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा कि औचक निरीक्षण के दौरान यदि आदेशों का अनुपालन नहीं पाया गया अथवा उनके द्वारा दिए गए आंकड़ों में भिन्नता पायी गयी तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

थाना शाहगंज पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए 07 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते, मालफड़ के 2510 रुपये व जामा तलाशी से प्राप्त 440 रूपये बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना शाहगंज पुलिस द्वारा आज दिनांक 12.09.2023 को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए 07 अभियुक्त 1. विवेक कुमार पुत्र प्रेम चन्द नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, 2. बसंत कुमार पुत्र स्व0 राधे श्याम नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज प्रयागराज, 3. सुशील पुत्र स्व0 हीरा लाल नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, 4. तारकेश्वर कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन लाल नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, 5. सूरज कुमार पुत्र राज कुमार नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, 6. राहुल राहुल पुत्र स्व0 मूल चन्द्र नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, 7. राजा महतो पुत्र स्व0 लखन नि0 89 गढ़ी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज को अण्डे वाली गली में बाबा के मकान के पास गली थाना क्षेत्र शाहगंज से गिरफ्तार किया गया। कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते व मालफड़ के 2510 रूपये व जामा तलाशी से प्राप्त 440 रूपये कुल 2950 रुपये बरामद किये गये। गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 81/2023 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. विवेक कुमार पुत्र प्रेम चन्द नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 23 वर्ष। 2. बसंत कुमार पुत्र स्व0 राधे श्याम नि0 89 गढीकला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 40 वर्ष। 3. सुशील पुत्र स्व0 हीरा लाल नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 50 वर्ष। 4. तारकेश्वर कुमार पुत्र स्व0 अर्जुन लाल नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 25 वर्ष। 5. सूरज कुमार पुत्र राज कुमार नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 29 वर्ष। 6. राहुल पुत्र स्व0 मूल चन्द्र नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 24 वर्ष।7. राजा महतो पुत्र स्व0 लखन नि0 89 गढी कला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 27 वर्ष।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 81/2023 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी का विवरण-52 अदद ताश के पत्ते व मालफड के 2510 रूपये व जामा तलाशी से प्राप्त 440 रूपये कुल 2950 रुपये।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 मनोज कुमार, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 2. उ0नि0 आजाद कुमार, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 3. उ0नि0 हरिशंकर, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 4. हे0का0 वीरेन्द्र कुमार, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 5. का0 दिनेश चौहान, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना फूलपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना फूलपुर पुलिस द्वारा दिनांक 11.09.2023 को थाना फूलपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-314/2023 धारा 363/366/323/504/506 भा0द0सं0 में वांछित 01 नफर अभियुक्त राम औतार उर्फ लाला बिंद पुत्र महेंद्र कुमार निवासी ग्राम खांसर माली का पूरा थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र लगभग 19 वर्ष को समय 19.35 बजे थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत कुसेहटा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी के पश्चात आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-राम औतार उर्फ लाला बिंद पुत्र महेंद्र कुमार निवासी ग्राम खांसर माली का पूरा थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र लगभग 19 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-314/2023 धारा-363/366/323/504/506 भा0द0सं0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1.उ0नि0 राममिलन यादव, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.हे0का0 अमरनाथ यादव, थाना फूलपुर, कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.हे0का0 देवेन्द्र प्रताप सिंह,थाना फूलपुर

चोरी के मुकदमे से सम्बन्धित 01 अभियुक्त थाना करछना पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। कब्जे से चोरी गये पीतल का 05 घण्टा, ताम्बे का 02 लोटा, पीतल की 06 कटोरी, 1,390/- रूपये (सिक्के व नोट) व घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साइकिल बरामद थाना करछना पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 328/23 धारा 379,411 भा0द0सं0 से सम्बन्धित अभियुक्त पवन कुमार यादव पुत्र सियाराम यादव निवासी चेहरा बजटा थाना जिगना जनपद मिर्जापुर को आज दिनांक 12.09.2023 को नच्चू ढाबा भीरपुर थाना करछना से गिरफ्तार कर कब्जे से मन्दिर से चोरी के पीतल का 05 घण्टा, ताम्बे का 02 लोटा, पीतल की 06 कटोरी, 1,390/- रूपये (सिक्के व नोट) व घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साइकिल (क्र 63,ह 4266) बरामद की गयी। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- पवन कुमार यादव पुत्र सियाराम यादव नि0 चेहरा बजटा थाना जिगना जनपद मिर्जापुर उम्र 26 वर्ष । बरामदगी का विवरण पीतल के 05 घण्टा, ताम्बे के 02 लोटा, पीतल की 06 कटोरी, 1,390/- रूपये (सिक्के व नोट) व घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साइकिल बरामदअभियोग का विवरण मु0अ0सं0 328/23 धारा 379,411 भा0द0सं0 थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस टीम का विवरण - उ0नि0 उमेश यादव थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज,उ0नि0 अजय कुमार सिंह थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज,हे0का0 सतपाल बिन्द थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज,का0 लकी यादव थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज।

भुलाया नहीं जा सकता रामनगीना बाबू का योगदान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के खोरीबारी गांव में देशसेवा की महक आज भी कायम है। आजादी की लड़ाई में इस गांव से तकरीबन दर्जन भर क्रांतिकारियों ने हिस्सा लिया। स्व. रामनगीना राय की अगुवाई में दर्जन भर क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस के एक आह्वान पर सिंगापुर कूच कर गए और भारत को आजादी मिलने के बाद ही वापस घर लौटे। मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत सेनानियों को याद किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश को आजाद कराने में सेनानियों की भूमिका को कभी भूलाया नहीं जा सकता।भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा ने कहा कि देश की आजादी में सेनानियों के योगदान हमेशा स्मरणीय हैं। उन्होंने खोरीबारी गांव की मिट्टी को क्रांतिकारियों की माटी बताते हुए कहा कि उसकी खूश्बू आज भी यहां व्याप्त है। सेनानी व आजाद हिंद फौज के सिपाही रहे स्व. रामनगीना राय के परिजन पूर्व बैंक मैनेजर श्रीनारायण राय ने अपने संबोधन में कहा कि 1938 में रामनगीना बाबू घर बार छोड़कर सिंगापुर के लिए रवाना हो गए। उनके साथ मधुबन तिवारी, करामद अंसारी, सरल भगत, बच्चन राय, रामायण शास्त्री समेत दर्जन भर सेनानी गए और आजादी के बाद ही घर वापसी की। इसमें से मधुबन तिवारी और करामद, अंसारी शहीद हो गए, जिनके नाम पर स्कूल की स्थापना की गई, जो आज इंटरमीडिएट कॉलेज बन चुका है। भाजपा के सेक्टर संयोजक मुन्ना राय भगत ने कहा कि खोरीबारी रामपुर क्रांतिकारियों की धरती रही है और आजादी की लड़ाई में तमाम युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस मौके रामपुर के पूर्व प्रधान अनिल राय ने सेनानियों के नाम पर एक शिलापट बनाने की मांग की। जिस पर सभी सेनानियों के नाम अंकित कराए जाएं। कमला राय सेवा संस्?थान के अध्यक्ष यशवंत राय ने कहा कि आजादी की लड़ाई में योगदान देने वाले सेनानियों के नाम पर एक स्थल बनाने की जरूरत है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने पुरखे पुरनियों की बहादुरी को नमन कर सकें। कार्यक्रम को जिला सहकारी बैंक के पूर्व संचालक दयाशंकर राय, खोरीबारी के पूर्व ग्राम प्रधान डॉ. मुनीन्द्र राय आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सेनानी शहीद मधुबन तिवारी, शहीद करामद अंसारी, सरल कुशवाहा, बच्चन राय, शिवनाथ ठाकुर, तीर्थराज राय, नरसिंह राय, रामायण राय, श्यामबदन राय आदि सेनानियों के तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में ब्रजेश राय, धनंजय राय, रिषिकेश राय, विनीत राय, बबलू राय, ग्राम प्रधान जाहिद हुसैन, ग्राम विकास अधिकारी अजय मिश्र, पंचायत सहायक रहमत अंसारी,दिलीप मदेशिया, हरिवंश छोटेलाल आदि मौजूद रहे।

मेरा देश मेरा माटी कार्यक्रम में शामिल हुईं बड़ी संख्या में महिलाएं

प्रयागराज। अशोकनगर में मेरा देश मेरी माटी कार्यक्रम के तहत आज स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को याद करते कलश यात्रा निकालते हुए घर-घर से देश का गर्व देश की माटी एकत्रित कर उसे सर-माथे लगाया गया। प्रत्येक शहर व वार्ड से एकत्रित पवित्र मिट्टी से देश के वीर सपूतों के याद में दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से यह महाअभियान स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के प्रति कृतज्ञता के उत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने व देश के युवाओं को पंच प्रण की शपथ को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा। इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष शिखा रस्तोगी , महामंत्री रीता सिंह, मीडिया प्रभारी चन्द्रा अहलूवालिया, सोशल मीडिया कल्पना शर्मा, रेखा यादव, प्रेमलता, नीतू, अनीता, सुमन सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।